

हुकम या कार्यवाही मदी इति शिथिलस मरुतु

छात्रात च प्रथम
तारीख हुकम
मरुतु इति शिथिलस मरुतु
कि

1. प्रहाराचोना मरुतु

11/8/21

वकील म रिफिन डप म पत्राची हप्तका हप्तका मरुतु
ले बोका रिपोर्ट तपक हुई अवलीकन छिया गथा।
पार्यना पत्र पार्यना आं छिक मरुतु ले लीका
छिया आहाते। विस्तृत विवरण पुस्तक म लिखात
आका शासिका छिया गथा पत्रावली केसप
शुभार होका नमक ले मरुतु हप्तका शासिका हप्त
रहे।

1/8/21

न्यायालय उपखण्ड अधिकारी सपोटरा जिला करौली

पीठासीन अधिकारी- श्री ओमप्रकाश मीना आर ए.एस. उपखण्ड अधिकारी सपोटरा

मु0नं0	प्रा0 पत्र	ता0दायरा	ता0निर्णय
14/18	अस्थायी निषेधाज्ञा	12.06.18	11.08.2021

- | | |
|--------------------|--|
| 01. श्यामलाल | पुत्रान मूला जातियान मीना निवासीयान लोंगटीपुरा (सलेमपुर)
तहसील सपोटरा जिला करौली राज0 |
| 02. लक्खीलाल | |
| 03. जगदीश | |
| 04. केशर बेवा मूला | |

-प्रार्थीगण

बनाम

- | | |
|------------------------------|---|
| 01. गिराज पुत्र जोहरी (मृतक) | पुत्रान गिराज
पुत्रीयान गिराज
गिराज |
| 1/1 भीमसिंह | |
| 1/2 भूरसिंह | |
| 1/3 गुडडी | |
| 1/4 रिसाल | |
| 1/5 मल्लो पत्नि | |
| 02. रामकेश | पुत्रान जौहरी |
| 03. हरकेश | |
| 04. छाजूलाल | |
| 05. सदाकौर बेवा जौहरी (मृतक) | |
| 06. बृजलाल पुत्र रामफूल | |
| 07. रामस्वरूप पुत्र रामफूल | |

सभी जातिगण मीना निवासीयान लोंगटीपुरा तहसील
सपोटरा जिला करौली राज0

08. अरावली क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक (राजस्थान बड़ौदा ग्रामीण बैंक) शाखा सलेमपुर जरिये प्रबन्धक बड़ौदा ग्रामीण बैंक सलेमपुर तहसील सपोटरा।
09. लैण्ड होल्डर तहसीलदार सपोटरा तहसील सपोटरा।

-अप्रार्थीगण

प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा 212 आर.टी. एक्ट

उपस्थित:- श्री मदनमोहन गुप्ता एड0 वकील प्रार्थीगण।
श्री श्यामप्रकाश गर्ग एड0 वकील अप्रार्थीगण।

संक्षेप में प्रार्थना पत्र प्रार्थीगण के तथ्य इस प्रकार से हैं कि प्रार्थीगण ने वाद पत्र के साथ एक प्रार्थना पत्र अस्थायी निषेधाज्ञा पेश कर कथन किया है कि ग्राम सलेमपुर तह0 सपोटरा की आराजी ख0नं0 962 रकबा 03 बीघा 02 बिस्वा, ख0नं0 988 रकबा 06 बीघा 15 बिस्वा, खसरा नं0 1043 रकबा 02 बीघा 13 बिस्वा, खसरा नं0 1100 रकबा 05 बिस्वा कुल किता 4 कुल रकबा 12 बीघा 15 बिस्वा है जिनके साविक खसरा नं0 मिलान क्षेत्रफल सम्बत् 2015 अनुसार 705, 721, 722, 784, 771, 788/1 है। उक्त आराजीयात प्रार्थीगण के पितामह श्योपाल पुत्र सीतोला व अप्रार्थी सं0 1 ता 5 के पितामह अप्रार्थी सं0 6, 7 के पिता रामफूल पुत्र जसराम के समय की संयुक्त खातेदारी व कब्जे की पुश्तैनी आराजीयात है जिसके खातेदारी इन्द्राज राजस्व रिकार्ड खाता चारसाला मौजा सलेमपुर मे प्रार्थीगण के पितामह श्योपाल पुत्र सीतोली व अप्रार्थी सं0 1 ता 5 के पितामह अप्रार्थी सं0 6, 7 के पिता रामफूल पुत्र जसराम के हक मे समान हिस्सा 1/2, 1/2 के रहे है, इस प्रकार विवादित आराजीयात प्रार्थीगण एवं अप्रार्थी सं0 1 ता 7 के पुश्तैनी खातेदारी एवं कब्जे काश्त की है। जिसके प्रार्थीगण 1/2 हिस्से के खातेदार काश्तकार है और काबिज काश्त है। प्रार्थीगण मृतक श्योपाल व मूल के वारिसान हैं। आराजी खसरा नं0 962, 988, 1043, 1100 ग्राम सलेमपुर तहसील सपोटरा स्थित है। उक्त आराजीयात के साविक खसरा नं0 मिलान क्षेत्रफल सम्बत् 2015 के अनुसार

705, 721, 722, 784, 771, 788/1 है। उक्त आराजीयात प्रार्थीगण के पितामह श्योपाल पुत्र सीतोला व अप्रार्थी सं० 1 ता 5 के पितामह अप्रार्थी सं० 6, 7 के पिता रामफूल पुत्र जसराम जाति मीना निवासी सलेमपुर के समय की संयुक्त खातेदारी एवं कब्जे काश्त की पुश्तैनी आराजीयात है जिसके खातेदारी इन्द्राज राजस्व रिकार्ड खाता चारसाला मोजा सलेमपुर में प्रार्थीगण के पितामह श्योपाल पुत्र सीतोली व अप्रार्थी सं० 1 ता 5 के पितामह अप्रार्थी सं० 6,7 के पिता रामफूल पुत्र जसराम के हक में समान हिस्सा 1/2, 1/2 के रहे हैं इस प्रकार विवादित आराजीयात प्रार्थीगण एवं अप्रार्थी सं० 1 ता 7 के पुश्तैनी खातेदारी व कब्जे काश्त की है। खसरा नं० 961 में प्रार्थीगण एवं अप्रार्थीगण सं० 1 ता 7 की शामलाती बोरिंग सिंचाई हेतु बनी हुई है जिसे शामलाती निर्मित कराई गई है। विवादित आराजीयात खसरा नं० 962,988,1043,1100 के सम्बन्ध 2015 में वक्त सेटिलमेंट अप्रार्थी सं० 1 ता 5 के पितामह एवं अप्रार्थी सं० 6 व 7 के पिता रामफूल ने सेटिलमेंट कर्मियों एवं राजस्व कर्मियों से साजिश कर प्रार्थीगण के पिता श्योपाल से छिपाते हुए अपने हक अवैध खातेदारी इन्द्राज करा लिए है जिसे दुरस्त कराने की एवं बंटवारा कराने की अप्रार्थीगण से कहा तो अप्रार्थीगण साफ इन्कार हो गये और आराजीयात को दीगर व्यक्तियों को रहन वय करने व आराजी में अवैध निर्माण करने व प्रार्थीगण के कब्जे काश्त में व्यवधान करने की एलानिया धमकी दी और प्रार्थीगण से झगड़ा करने पर आगादा फिसाद हो गये। विवादित आराजीयात में अप्रार्थीगण सं० 1 ता 7 अवैध खातेदारी इन्द्राज के सबब अवैध निर्माण करने पर तुले हुए हैं। दिनांक 06.05.2018 को खसरा नं० 961 के मध्य में नींव खोदकर निर्माण कार्य प्रारम्भ कर दिया है और 3 फुट उंची दासाबंदी करदी है और निरंतर निर्माण जारी है। इसलिए प्रार्थीगण ने अप्रार्थीगण को जरिये अस्थायी निशेधाज्ञा से पाबंद करने का निवेदन किया है।

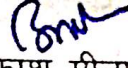
प्रार्थना पत्र प्रार्थीगण दर्ज रजिस्टर कर तलबी अप्रार्थीगण जरिये नोटिस की गई। अप्रार्थी सं० 8 बावजूद तामील उपस्थित नहीं आये इसलिए इसके खिलाफ एकपक्षीय कार्यवाही के आदेश पारित किये गये। अप्रार्थी सं० 5 की फौत होने के कारण इसके वारिशान पूर्व से ही अप्रार्थी सं० 2 ता 5 प्रकरण में संयोजित होने से इनका नाम हजफ किया गया। अप्रार्थी सं० 1/1 ता 1/5, 2 ता 4, 6 तथा 7 ने जरिये वकील उपस्थित होकर अपना जवाब पेश कर कथन किया है कि प्रार्थीगण की ओर से प्रार्थना पत्र 212 आर.टी.एक्ट मुकदमा सं० 53/14 न्यायालय हाजा में लंबित है जिसके चलते दर० हाजा चलने योग्य नहीं है। विवादित आराजीयात से प्रार्थीगण का कोई ताल्लुक नहीं है। प्रार्थीगण के ना तो कोई खातेदारी हकूक है ना ही काबिज है। विवादित आराजीयात का श्योपाल व रामफूल के समय से ही मौके पर हिस्से हो रहे हैं और बीच में डोल डल रही है। खसरा नं० 961 में अप्रार्थीगण के हिस्से में अप्रार्थीगण के खर्च से लगभग 20 साल पहले बोर करायी थी जिस पर बृजलाल, रामस्वरूप व जौहरी के नाम से बिजली के बिल का भुगतान करते हैं। खसरा नं० 961 में अप्रार्थीगण अप्रार्थीगण की पुरानी मकानियत बनी हुई है जो दावे से पहले की है जिसमें बृजलाल व उसका परिवार मय गृहस्थी के सामान के साथ रह रहे हैं। विवादित आराजीयात पर अप्रार्थीगण वाहिद वाहैसियत खातेदार काश्तकार काबिज है। राजस्थान काश्तकारी अधिनियम लागू होने के दिन इन विवादित आराजीयात पर अप्रार्थीगण के बुजूर्ग रामफूल वाहिद खातेदार काश्तकार की हैसियत से काबिज थे। सैटिलमेंट विभाग द्वारा जमीनों का अप्रार्थीगण के बुजूर्ग रामफूल के नाम इन्द्राज सही किये गये हैं। अप्रार्थीगण के हिस्से पर रामफूल वाहैसियत खातेदार काश्तकार काबिज था। रामफूल के राम खातेदारी की गई तथा खसरा नं० 987, 989, 1052 पर मूला/श्योपाल टीनेन्सी एक्ट लागू होने के समय खातेदार काश्तकार की हैसियत से काबिज थे। ये नम्बर मूला के खाते में दर्ज किये गये और इसी अनुसार पक्षकारान अपने अपने खाते की जमीनों पर वाहिद वाहैसियत खातेदार काश्तकार काबिज है जिसकी वादीगण/प्रार्थीगण को मूला के समय से जानकारी हरी है। प्रार्थीगण ने दर० में सही तथ्यों को छिपाया है खसरा नं० 987, 989, 1052 के सम्बन्ध में अप्रार्थीगण के खिलाफ अपनी वाहिद खातेदारी दर्ज करते हुए दावा उनवानी श्यामलाल वनाम बृजलाल न्यायालय हाजा में पेश कर रखा है जो न्यायालय में लंबित है जो वादीगण/प्रार्थीगण का स्वीकृत तथ्य है। इसलिए प्रार्थीगण का प्रार्थना पत्र खारिज फरमाया जाये।

बहस के दौरान वकील वादीगण ने प्रार्थना पत्र के तथ्यों को दोहराते हुए कथन किया है कि विवादित आराजीयात प्रार्थीगण के पितामह श्योपाल पुत्र सीतोला व अप्रार्थी सं० 1 ता 5 के पितामह व अप्रार्थी सं० 6 व 7 के पिता रामफूल पुत्र जसराम के समय की संयुक्त खातेदारी व कब्जे काश्त की पुश्तैनी आराजीयात है। जिसके खातेदारी इन्द्राज राजस्व रिकार्ड खाता चौसाला सम्बत् 2007-10 मौजा सलेमपुर में प्रार्थीगण एवं अप्रार्थी सं० 1 ता 5 के पितामह व अप्रार्थी सं० 6 व 7 के पिता रामफूल पुत्र जसराम के ह कमे समान हिस्सा 1/2, 1/2 के रहे है। खसरा नं० 961, 1101, 1062 प्रार्थीगण के पिता मूला पुत्र श्योपाल व अप्रार्थी सं० 1 ता 5 के पितामह व अप्रार्थी सं० 6 व 7 के पिता रामफूल पुत्र जसराम के समय की संयुक्त खातेदारी व कब्जे काश्त की है जिसमें प्रार्थीगण एवं अप्रार्थीगण 1/2-1/2 हिस्सा है। सम्बत् 2015 में वक्त सैटिलमेंट कर्मियों व राजस्व कर्मियों से साजिश कर प्रार्थीगण के पिता श्योपाल व पिता मूला से छिपाते हुये अपने ह कमे अवैध खातेदारी इन्द्राज करा लिये। इसलिए अप्रार्थीगण को ताफैसला दावा प्रार्थना पत्र अस्थायी निषेधाज्ञा कन्फर्म किया जावे तथा निर्णय से पूर्व विवादित आराजीयात के मौके के रिपोर्ट तलब की जावे। वकील अप्रार्थीगण ने अपनी बहस में प्रार्थना पत्र के जवाब के तथ्यों को दोहराते हुए कथन किया है कि प्रार्थीगण का विवादित आराजीयात पर कभी कब्जा नहीं रहा है अप्रार्थीगण के बुजूर्ग सैटिलमेंट से पूर्व से ही विवादित आराजीयात पर काबिज थे। प्रार्थीगण के पिता मूला की सेपरेट अन्य जमीने ह। विवादित आराजीयात का मौके पर बाहमी बंटवारा हो रहा है और अपने अपने हिस्से पर काबिज है। खसरा नं० 961 में अप्रार्थीगण में अप्रार्थीगण की बोर है जिस पर विजली कनेक्शन अप्रार्थीगण का लगा हुआ है। इस बोर व विजली कनेक्शन से प्रार्थीगण का कोई ताल्लुक नहीं है। खसरा नं० 1060 प्रार्थीगण की जमीन थी जिस पर मकानात बने हुये है जिस पर अप्रार्थीगण का कब्जा है। सैटिलमेंट के समय से ही अप्रार्थीगण विवादित आराजीयात के शिकमी काश्तकार है। खसरा गिरदावरी सम्बत् 2016-18 के अनुसार अप्रार्थी सं० 6 व 7 के पिता रामफूल का नाम विवादित आराजीयात में दर्ज रहा है जिससे अप्रार्थीगण का विवादित आराजीयात में कब्जा साबित है। शामलाती जमीन का मौके पर अपने अपने हिस्से पर कब्जा है। इसलिए प्रार्थना पत्र प्रार्थीगण खारिज फरमाया जावे।

वकील उभय पक्षकारान की बहस पर मनन किया गया तथा पत्रावली में उपलब्ध दस्तावेजों का ध्यानपूर्वक अवलोकन किया गया। मुताबिक जमाबंदी सम्बत् 2073-76 ग्राम सलेमपुर विवादित आराजीयात प्रार्थीगण एवं अप्रार्थीगण की संयुक्त खातेदारी की दर्ज रिकार्ड है। प्रार्थना पत्र से संबंधित दावा बंटवारा, घोषणा खातेदारी एवं स्थायी निषेधाज्ञा का है जिसमें प्रार्थीगण ने ग्राम सलेमपुर के आराजी खसरा नं० 962, 988, 1043, 1100 कित्ता 4 कुल रकबा 12 बीघा 15 बिस्वा के 1/2 हिस्से की घोषणा खातेदारी का अनुतोष एवं आराजी खसरा नं० 961, 1062, 1101 कुल कित्ता 3 कुल रकबा 12 बीघा का बंटवारा का अनुतोष चाहा है। प्रकरण में पटवारी हलका सलेमपुर से उक्त विवादित आराजीयात के मौके की रिपोर्ट तलब की गई है जिसके अनुसार खसरा नं० 961, 1060, 988 में पक्षकारान पक्का आवास बनाकर लगभग 17 वर्षों से निवास कर रहे है जिनका विवरण निम्न प्रकार है। खसरा नं० 961 रकबा 09 बीघा 04 बिस्वा में प्रतिवादी सं० 7 बृजलाल पुत्र रामफूल के पुत्र लाखन, मुकेश, मानसिंह ने पक्का आवास बनाकर निवास कर रहे है एवं सिचाई हेतु बोरिंग करवा रखी है। खसरा नं० 1060 में रामकेश, हरकेश, छाजूलाल पिता जौहरी प्रतिवादी सं० 2 ता 4 ने एवं प्रतिवादी सं० 1 के वारिसान प्रतिवादी सं० 1/1 व 1/2 शेरसिंह व भूरसिंह पिता गिराज ने पक्का आवास बनाकर निवास कर रहे है। खसरा नं० 988 रकबा 06 बीघा 15 बिस्वा में रामस्वरूप पुत्र रामफूल प्रतिवादी सं० 7 पक्का आवास बनाकर निवास कर रहे है। अन्य खसरा में अपने अपने हिस्से की भूमि में वर्तमान में बोई जाने वाली फसल बाजरा, तिल वगैरे की काश्त कर रखी है। खसरा नं० 1060, 1061, 961, 988 में उक्त खसरा की मेड पर आने जाने के लिए रास्ता सहखातेदारों की सहमति से बना रखा है। पत्रावली में उपलब्ध बिजली का बिल अप्रार्थीगण के नाम से है। वकील अप्रार्थीगण ने दौरान बहस माननीय उच्च न्यायालय राजस्थान जयपुर की नजीर आरबीजे (26) 2019 महावीरया मीना बनाम मुरारी पेश की है जिसका विवरण निम्न प्रकार है- राजस्थान टीनेन्सी एक्ट 1955-धारा 211- सह भागीदारों द्वारा दावा जब दोनों पक्षकारों ने सारी भूमि का जुबानी बंटवारा कर लिया है व स्वतंत्र रूप से अपनी जमीन पर काश्त कर रहे है, उनके निवास स्थान भी अलग-अलग चिन्हित है, इसलिए धारा 211 के तहत एक पक्षकार को उसकी सम्पत्ति में निर्माण करने से नहीं रोका जा सकता क्योंकि जुबानी बंटवारा हो चुका है। यह नजीर इस प्रकरण पर चस्पा होती है। इससे यह स्पष्ट है कि पक्षकारान ने मौके पर आपस में विवादित आराजीयात का बाहमी बंटवारा कर रखा है और उन पर अपने अपने हिस्से पर रिहायशी मकान बनाकर निवास कर रहे है तथा फसल काश्त

रहे हैं। आराजी खसरा नं० 962, 988, 1043, 1100 मे प्रार्थीगण ने दावे मे साक्ष्य सबूतो के आधार पर अपने अपने हक तय होने है तथा खसरा नं० 961, 1062, 1101 मे प्रार्थीगण ने केवल वंटवारा का अनुतोष चाहा है। इसलिए अप्रार्थीगण को केवल खसरा नं० 962, 988, 1043, 1100 मे ताफैसला दावा पाबंद किया जाना उचित प्रतीत होता है।

अतः प्रार्थना पत्र प्रार्थीगण वावत् अस्थायी निषेधाज्ञा आंशिक रूप से स्वीकार किया जाता है। अप्रार्थीगण को ताफैसला दावा जरिये अस्थायी निषेधाज्ञा से पाबंद किया जाता है कि वे ग्राम सलेमपुर तहसील सपोटरा की आराजी खसरा नं० 962, 988, 1043, 1100 के राजस्व रिकार्ड मे किरसी प्रकार का परिवर्तन नही करे। ग्राम सलेमपुर तहसील सपोटरा की आराजी खसरा नं० 961, 1062, 1101 मे अस्थायी निषेधाज्ञा का अनुतोष खारिज किया जाता है। निर्णय आज दिनांक 11.08.2021 को सरे इजलास लिखाया जाकर सुनाया गया। पत्रावली फैसल शुमार होकर नम्बर से कम हो तथा शामिल दावा रहे।


(ओम प्रकाश मीना आरएएस)
उपखण्ड अधिकारी
सपोटरा जिला करौली